क्रिया

क्रिया: किसी कार्य के करने या होने का बोध कराने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं।
जैसे - सोना, गाना, हँसना, पढ़ना आदि।

* कार्य का करना:
बच्चा सो रहा है।
पंखा चल रहा है।
पिता जी चाय पी रहे हैं। आदि।

* कार्य का होना:
तारे जगमगा रहे हैं।
हवा बह रही है।
सूरज चमक रहा है। आदि।

मुख्य क्रिया:	सहायक क्रिया
वाक्य में संज्ञा द्वारा किये गए कार्य को मुख्य क्रिया कहा जाता है। उदाहरण - ले + ना = लेना नाच + ना = नाचना पढ़ + ना = पढ़ना आदि।	वाक्य पूरा करने के लिए मुख्य क्रिया की सहायता करने वाले शब्द सहायक क्रिया कहलाते हैं। उदाहरण - रहा है, रहे हैं, रही है।

अधिक स्पष्टता के लिए:—

प्रीति साइकिल चला रही है।

चलना - मुख्य क्रिया
रही है - सहायक क्रिया

2020.08.24

"कर्ता" और "कर्म"

__/__/__

I- कर्ता → वाक्य में कौन का जवाब देने वाला शब्द "कर्ता" कहलाता है।

रेखा नाच रही है।
"कौन" नाच रही है?
"रेखा" → कर्ता

II- कर्म → वाक्य में क्या अथवा किसे का जवाब देने वाला शब्द "कर्म" कहलाता है।

मोहित दूध पीता है।
मोहित "क्या" पीता है?
"दूध" → कर्म

सोनू मुझे जानता है।
सोनू "किसे" जानता है?
"मुझे" → कर्म

क्रिया के भेद

सकर्मक क्रिया — अकर्मक क्रिया

सकर्मक क्रिया:

जिस क्रिया के साथ कर्म होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण: लड़के गेंद खेलते हैं।
लड़के "क्या" खेलते हैं?
"गेंद" → कर्म मौजूद है।
सकर्मक क्रिया → खेलना

अभय रोहन को बुला रहा है।
अभय "किसे" बुला रहा है?
"रोहन" को → कर्म मौजूद है।
सकर्मक क्रिया → बुलाना

अकर्मक क्रिया:

जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण: आयुष हँस रहा है।
"क्या" हँस रहा है? (सही नहीं)
"किसे" हँस रहा है? (सही नहीं)
यहाँ पर "कर्म" मौजूद नहीं है।
अकर्मक क्रिया → हँसना

इसी प्रकार रोना, दौड़ना, टहलना, सोना आदि अकर्मक क्रिया का उदाहरण है।